तरक्की

युवाओं को मिल रहा सीएम युवा उद्यमी योजना का लाभ

काशी के डेढ़ हजार युवा स्टार्टअप से बदल रहे तस्वीर

अभिषेक सेठ

वाराणसी। बनारस के युवा स्टार्टअप की दुनिया में कदम बढ़ाकर आत्मनिर्भरता की नई कहानी लिख रहे हैं। जिले में रोजगार सृजन से लेकर उद्योगों के विस्तार तक, युवा उद्यमियों की नई पीढ़ी परिवर्तन का बड़ा आधार बनकर उभर रही है।

सरकारी योजनाओं में विशेषकर मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान ने युवाओं को एक मजबूत आधार दिया है। उद्योग विभाग से प्राप्त आंकड़ों के अनुसार, इस योजना के माध्यम से 1500 से ज्यादा युवाओं को लाभ दिया गया है। इन लाभार्थियों में अधिकांश पहली बार व्यवसाय शुरू करने वाले युवा हैं।

हस्तशिल्प, ई-कॉमर्स, फूड प्रोसेसिंग, टेक्नोलॉजी और सेवा क्षेत्र जैसे क्षेत्रों में युवाओं के नए प्रयोग जिले की अर्थव्यवस्था को मजबूती दे रहे हैं। संवाद

नैचुरोपैथी से मिली संजीवनी, सीएम योगी ने भी की तारीफ

केस एक

बड़ी गैबी की अदिति सिंह पटना से एमबीए करने के बाद एक प्राइवेट शिक्षण संस्थान में मार्केटिंग का काम देखने लगीं। इसी बीच पीसीओडी की चपेट में आ गईं। नैचुरोपैथी से लाभ मिला तो उस पर रिसर्च किया। उन्होंने इसी पर आधारित एक वेलनेस क्लीनिक स्टार्ट किया। आज अदिति ने स्वयं आत्मनिर्भर बनते हुए 22 महिलाओं को रोजगार दिया है। सीएम योगी ने एमएसएमई दिवस पर पांच लाख का चेक देते हुए सराहना की। अदिति की सालाना आय पांच लाख से अधिक है।

सालाना इनकम 15 लाख

केस तीन

पहड़िया की अंकिता मौर्या ने कोविड के दौरान टूर ट्रवेल्स और इवेंट प्लानिंग का काम शुरू किया। शुरू के दो वर्षों में काफी दिक्कतें आईं, लेकिन पोस्ट कोविड के बाद से व्यापार में ग्रोथ होता चला गया। आज उनकी सालाना इनकम 15 लाख से अधिक है।

खुद भी संभले और 23 अन्य लोगों को भी संभाला

केस दो

पांडेयपुर के अभिमान सिंह कोचिंग पढ़ाते थे। कोरोना काल में यूट्यूब की मदद से पढ़ाना शुरू किया। इसमें सफलता मिलने पर उन्होंने मोबाइल एप बनवाकर उससे छात्रों को जोड़ना शुरू किया। सीएम युवा उद्यमी विकास अभियान से सहयोग मिलने पर उन्होंने इसे और विस्तार दिया। आज अभिमान ने 23 युवाओं को जोड़कर रखा है। आज उनकी आय 5 लाख से अधिक है।

> बीते कुछ वर्षों में युवाओं में स्वरोजगार काफी तेजी से बढ़ा है। युवा आत्मनिर्भर भारत अभियान से प्रेरित हो रहे हैं। शासन की योजनाओं का लाभ भी उन्हें पूरी तरह से मिल रहा है। – **मोहन कुमार शर्मा, उपायुक्त, उद्योग विभाग।**